डॉ. रमेश टण्डन की संपादित किताब का विमोचन

रायगढ़। महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में 8 फरवरी को हिन्दी विभाग एवं वाणिज्य विभाग में राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पिछले दो वर्षों में महिलाओं पर बढ़ते अपराध, अनैतिकता, यौन शोषण व निर्भया को अभी तक पूर्ण न्याय नहीं मिल पाने, डॉ. प्रियंका रेड्डी रेप-मर्डर जैसे अनेक घटनाओं से द्रवित होकर, साहित्यिक रीति से शोध करने के उद्देश्य से हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ. आरके टण्डन के संयोजन में 'आधुनिक कालीन हिन्दी साहित्य में नारी-अस्मिता का धरातलीय सच' विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हिन्दी विभाग के द्वारा अकादमिक अतिथियों के स्वागत की नई परम्परा की शुरूआत करते हुए समस्त अतिथियों का 'हिन्दी विभाग, एमजी शा. महाविद्यालय खरसिया' मुद्रित श्वेत वसन (अल्पी) से स्वागत किया गया। द्वय विभाग के द्वारा विभागीय बैच से सम्मान किया गया। हिन्दी में टॉप किए रत्ना माहेश्वरी, शोभा राजपूत को कुलपति ने श्वेत वसन से सम्मान किया। डॉ. रमेश टण्डन के संपादकीय में विषय पर आधारित शोध-पत्रों से युक्त प्रकाशित आईएसबीएन पुस्तक व प्रो. एमके साहू संपादित वाणिज्य विभाग के सोवेनियर का विमोचन भी अतिथियों ने उक्त अवसर पर किया। ज्ञात को कि डॉ. रमेश टण्डन संपादित 'आधुनिक कालीन

हिन्दी साहित्य में नारी-अस्मिता का धरातलीय सच' नामक किताब को आईपीएस व्हीसी सज्जनार को समर्पित किया गया है जिन्होंने हैदराबाद की डॉ. प्रियंका को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस किताब में देश के छः राज्यों के लेखकों के शोध पत्र समाहित हैं। समस्त मंचासीन अतिथियों ने संगोष्ठी के विषय को प्रतिपादित करते हुए विषय की आवश्यकता, उसकी पूर्ण व्याख्या व निष्कर्ष तक अपने सारगर्भित दृष्टिकोण को प्रबुद्ध पाठकों, श्रोताओं, छात्रों तक पहुंचा पाने में सफलता पाई।